वित्तीय समावेशन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की विशेष पहल : उप गवर्नर का राँची आगमन एवं ओरमांझी में समावेशन शिविर का दौरा

सभी लोग वित्तीय प्रणाली और उसकी सुविधाओं से जुड़े और उसका लाभ उठाएं : उप-गवर्नर

बिभा संवाददाता

रांची: वित्तीय सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने भारतीय रिजर्व बैंक राँची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, आरबीआई ओम्बड्समैन मनोज रंजन और भारतीय रिजर्व बैंक, राँची क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य अधिकारियों के साथ 8 अगस्त 2025 को राँची के ओरमांझी ग्राम पंचायत में आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण शिविर का दौरा किया।

इस दौरान बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरुप्रसाद गोंड और एसएलबीसी झारखंड के अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप गवर्नर महोदय का दौरा भारतीय रिजर्व बैंक की व्यापक पहुँच कार्यक्रम का हिस्सा है जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन अभियान को प्रोत्साहित करना और ग्राहकों को जोड़ने व सेवा प्रदान करने में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देना है।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान को सफल बनाने एवं आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक, राँची के क्षेत्रीय निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी राज्य भर में ऐसे दौरे किये जा रहे हैं।

जन-जन को वित्तीय एवं बैंकिंग सुविधाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना) से जोड़ने तथा संबंधित खातों में पुनः केवाईसी करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और वित्तीय सेवाएँ विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त रूप से एक अभिनव पहल के रूप में इस वर्ष 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक देश भर के समस्त ग्राम पंचायतों में सघन वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान चलाया है। इस अभियान के माध्यम से ग्राहकों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं एवं विभिन्न वित्तीय सेवाओं की अनवरत पहुँच सुनिश्चित करने के साथ-साथ बैंक के अभिलेखों में ग्राहक संबंधी जानकारी को अद्यतित किया जा रहा है।

शिविर में अपने संबोधन के दौरान, राव ने बताया कि ये शिविर लोगों से जुड़ने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सभी लोग वित्तीय प्रणाली और उसकी सुविधाओं से जुड़े और उसका लाभ उठाएँ।

इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक, राँची के क्षेत्रीय निदेशक ने आह्वान किया कि विषय की महत्ता को देखते हुए विभिन्न बैंकों के उच्चाधिकारियों से अपेक्षित है कि वे भी इन शिविरों से जुड़ें। ताकि सभी बैंककर्मी व बीसी इस पुनीत कार्य हेतु और प्रवृत्त, प्रेरित और प्रोत्साहित हों। शिविर का प्रतिसाद बहुत ही उत्साहजनक रहा एवं सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने शिविर के आयोजन को बहुत सराहा। उक्त शिविर में सायं 4 बजे तक 3965 खातों का पुनः केवाईसी सफलतापूर्वक संपन्न किया गया एवं शिविर के दौरान 7,000 हजार से ज्यादा ग्राहकों ने बीमा योजनाओं में अपना नाम दर्ज कराया।

इस ग्राम पंचायत शिविर के लिए नोडल शाखा - बैंक ऑफ इंडिया, ओरमांझी शाखा के अधिकारियों के साथ-साथ उस क्षेत्र में कार्यरत कई अन्य बैंकों यथा, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, केनरा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक ने अपने बीसी के साथ इस शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया।

शिविर का दौरा करने से पहले, दिन के पूर्वार्द्ध में उप गवर्नर ने भारतीय रिजर्व बैंक, राँची क्षेत्रीय कार्यालय की अभिनव पहल केंद्रीय बैंक के आयामह्य व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत केंद्रीय बैंक संवाद पर अपने सुविचार रखें एवं केंद्रीय बैंक के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक की अहम भूमिका को रेखांकित किया तथा किसी भी देश के आर्थिक परिवेश को सकारात्मक वांछित दिशा प्रदान करने एवं नीतियों, दिशानिदेशों तथा दूरगामी कदमों के बारे में समझ एवं जागरूकता बढ़ाने में विभिन्न हितधारकों के साथ केंद्रीय बैंक के संवाद की महत्वपूर्व भूमिका पर प्रकाश डाला।

सभी के लिए बैंकिंग, सुविधाओं का द्वार : क्षेत्रीय निदेशक

भारतीय रिजर्व बैंक, राँची कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है और वित्तीय समावेशन संतृप्ति का यह सघन अभियान, विशेषकर ग्रामीण भारतवासियों के वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय महाअनुष्ठान की तरह है। बैंको एवं सभी हितधारकों के सहयोग से ग्राम पंचायत स्तर पर पूरे देश भर में लगाये जा रहे ये शिविर जन धन खातों सहित सभी खातों में अद्यतन विवरण सुनिश्चित कर उन्हें सुचारू रूप से सक्रिय रखने के साथ साथ खातों में नामांकन, सामाजिक सुरक्षा बीमा एवं पेंशन योजनाओं के लाभ उठाने तथा आवश्यक जानकरियों, सुविधाओं एवं बुनियादी सावधानियों के प्रति लोगों को जागरूक करने की उल्लेखनीय पहल है।